व्यापार की योजना

आय सृजन गतिविधि
मशरूम की खेती
2021

सरस्वती स्वयं सहायता समूह

एसएचजी / नाम	:	जय माँ दुर्गा एसएचजी
वीएफडीएस नाम	:	लबाना सदाना
एफटीयू / वन परिक्षेत्र	:	सराहन
डीएमयू / वन मंडल	:	रामपुर
एफसीसीयू / सर्किल	:	रामपुर

पीआईएचपीएफईएम&एल द्वारा प्रायोजित	**डीएमयू जाईका रामपुर और जय माँ दुर्गा एसएचजी द्वारा तैयार**

विषयसूची

क्रमांक।	विवरण	पेज
1	परिचय	3
2	कार्यकारी सारांश	4
3	एसएचजी का विवरण	5- 7
4	गांव का भौगोलिक विवरण	8
5	गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण	8
6	उत्पादन प्रक्रियाएं	9
7	योजना का विवरण	10-11
8	विपणन/बिक्री का विवरण	12
9	सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण	13
10	स्वोट अनालिसिस	13
11	संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय	14
12	परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	15- 20
13	अर्थशास्त्र का सारांश	21-22
14	लाभ लागत विश्लेषण	22
15	समूह में निधि प्रवाह	23
16	लाभ - अलाभ स्थिति की गणना	22-23
17	ऋण चुकौती अनुसूची	23
18	टिप्पणी	24
19	ग्राम वन विकास समिति का प्रस्ताव	26
20	स्वयं सहायता समूह का प्रस्ताव	27

1. परिचय

मशरूम की खेती का व्यवसाय कुछ ही हफ़्तों में बहुत ज़्यादा मुनाफ़ा कमाने का ज़रिया बन सकता है, जिसमें व्यवसाय शुरू करने के लिए काफ़ी कम पूंजी निवेश की ज़रूरत होती है। मशरूम की खेती एक कला है और इसके लिए अध्ययन और अनुभव दोनों की ज़रूरत होती है। अलग-अलग तरह के मशरूम की उत्पादन लागत अलग-अलग होती है और बजट उपलब्धता और इलाके में मांग और लक्षित बाज़ार में स्वीकार्यता के आधार पर तय करना ज़रूरी है।

लबाना सदाना वीएफडीएस के तहत गतिविधियों को लागू करने के लिए दो स्वयं सहायता समूह बनाए गए हैं। इनमें से एक है, 'जय मां दुर्गा स्वयं सहायता समूह' जो मशरूम की खेती से संबंधित है। समूह के सदस्यों के पास कम भूमि है। अपनी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को बेहतर बनाने के लिए, उन्होंने बटन और ढींगरी मशरूम की खेती करने का फैसला किया। व्यवसाय योजना तैयार करने के लिए तकनीकी जानकारी एसएमएस बागवानी विभाग, रामपुर द्वारा प्रदान की गई थी। श्री विनीत कुमार अग्रवाल, एचपीएफएस (सेवानिवृत्त) और सुश्री प्रतिभा (वन रक्षक काओबील बीट) की टीम ने व्यवसाय योजना तैयार की।

2. कार्यकारी सारांश -

लबाना सदना वीएफडीएस: -

लबाना सदना वीएफडीएस रामपुर वन प्रभाग में वन मंडल रामपुर और सराहन वन परिक्षेत्र के काओबील बीट के अंतर्गत आता है।

वीएफडीएस की महत्वपूर्ण विशेषताएं:-

क्षेत्र की प्रसिद्ध स्थानीय देवी दुर्गा माता इस वीएफडीएस क्षेत्र के ऊपर स्थित है। माता का आशीर्वाद पाने के लिए दूर-दराज के लोग इस धार्मिक स्थल पर आते हैं l

घरों की संख्या	**118**
बीपीएल परिवार	**40**
कुल जनसंख्या	**585**
कुल मवेशी	**70**

3. स्वयं सहायता समूह का विवरण .

अनौपचारिक जय माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह का गठन जनवरी 2021 में लबाना सदाना वीएफडीएस के तहत कौशल और क्षमताओं को उन्नत करके आजीविका सुधार सहायता प्रदान करने के लिए किया गया था। समूह में गरीब और सीमांत किसान शामिल हैं।
जय माँ दुर्गा स्वयं सहायता समूह विशुद्ध रूप से महिलाओं का समूह है जिसमें समाज के सीमांत और कमजोर वर्ग शामिल हैं जिनके पास कम भूमि संसाधन हैं। अपनी वित्तीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उन्होंने मशरूम की खेती करने का फैसला किया, जिससे उनकी आय सुनिश्चित हो सके। इस समूह में 13 सदस्य हैं और उनका मासिक योगदान 50 रुपये प्रति माह है, समूह के सदस्यों का विवरण इस प्रकार है:-

एसएचजी सदस्यों का विवरण फोटो सहित ।

क्र. सं.	नाम (कुमारी/श्रीमती)	पति/पिता का नाम (श्री)	पद का नाम	वर्ग	आयु	योग्यता	संपर्क नंबर
1	जगत कुमारी	चतर सिंह	अध्यक्ष	सामान्य	30	10 वीं	9805537014
2	संतोष वर्मा	सतीश वर्मा	सचिव	सामान्य	43	10 वीं	7876465991
3	कांता देवी	बिहारी लाल	कोषाध्यक्ष	सामान्य	45	6 वीं	9459880883
4	कौशल्या देवी	अमर सिंह	सदस्य	सामान्य	47	5 वीं	7807423327
5	मंगला देवी	रमेश वर्मा	सदस्य	सामान्य	51	5 वीं	8894620894
6	अनिता देवी	ललित मोहन	सदस्य	सामान्य	37	10वीं	8894131220
7	धरम देवी	इंदर सिंह	सदस्य	सामान्य	44	-	8627031611
8	संतोष कुमारी	प्रताप सिंह	सदस्य	सामान्य	38	-	7807204016
9	कौशल्या वर्मा	रमेश वर्मा	सदस्य	सामान्य	58	3 वीं	8894752802
10	कुंभ दासी	इंदर सिंह	सदस्य	सामान्य	55	-	7018499332
11	इंद्रा देवी	कुलदीप वर्मा	सदस्य	सामान्य	39	12 वीं	9816246047
12	नीरजा कुमारी	रंजीत	सदस्य	सामान्य	29	12 वीं	9816052581
13	कमला देवी	कमल किशोर	सदस्य	सामान्य	38	12 वीं	8090741156

एसएचजी सदस्यों की तस्वीरें

Photograph of CIG members

Santosh Kumari

Neerja Kumari

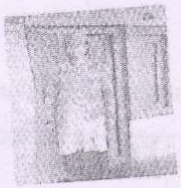
Jagat Kumari

Kaushalya

Kaushlya Verma

Mangla Devi

Kanta Devi

Kumbh Dassi

Kamala Devi

Anita Devi

Dharam Devi

Indra Devi

Santosh Kumari

स्वयं सहायता समूह सरस्वती- किन्नू की वित्तीय स्थिति .

2.1.	स्वयं सहायता समूह का नाम	: :	जय माँ दुर्गा एसएचजी
2.3	वीएफडीएस	: :	लबाना सदाना
2.4	वन परिक्षेत्र	: :	सराहन
2.5	वन मंडल	: :	रामपुर
2.6	गाँव	: :	लबाना
2.7	ब्लॉक	: :	रामपुर
2.8	ज़िला	: :	शिमला
2.9	एसएचजी में सदस्यों की कुल संख्या	: :	13
2.10	गठन की तिथि	: :	नवंबर 2020
2.11	बैंक का नाम और विवरण	: :	
2.12	बैंक खाता सं.	: :	
2.13	एसएचजी/ मासिक बचत	: :	
2.14	कुल बचत	: :	
2.15	कुल अंतर- ऋण	: :	हाँ
2.16	नकद ऋण सीमा	: :	
2.17	पुनर्भुगतान स्थिति		त्रैमासिक आधार

4. गाँव का भौगोलिक विवरण .

4.1	जिला मुख्यालय से दूरी	:	173 कि०मी०
4.2	सड़क से दूरी	: :	लगभग 18 कि०मी० (लेकिन लिंक रोड से दूरी 300- 400 मीटर है)
4.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	:	ज्योरी- 32 कि०मी०, झाकड़ी- 30 कि०मी०
4.4	मुख्य शहरों के नाम और दूरी	: :	रामपुर, 43 कि०मी०
4.5	मुख्य शहरों के नाम जहां विपणित किया जाएगा	: :	रामपुर, 43 कि०मी०
4.6	पिछड़े और आगे के लिंक युग की स्थिति	: :	बैकवर्ड लिंकेज - प्रशिक्षण (के.वी.के.), अतिरिक्त स्पॉन के साथ कम्पोस्ट बैग की खरीद (बागवानी विभाग), तथा बाजारों और मौजूदा आपूर्तिकर्ताओं के साथ फॉरवर्ड लिंकेज आदि।

5. आय सृजन गतिविधि से संबंधित उत्पाद का विवरण

5.1	उत्पाद का नाम	: :	समूह नियंत्रित वातावरण में बटन मशरूम और ढींगरी मशरूम के उत्पादन में शामिल होगा
5.2	पहचान की विधि	: :	चूंकि उनकी ज़मीन बहुत छोटी है, इसलिए वे अपनी वित्तीय ज़रूरतों को पूरा करने में सक्षम नहीं हैं। इसलिए समूह के सदस्यों ने यह निर्णय लिया है कि मशरूम की खेती से उनकी आय बढ़ेगी।
5.3	एसएचजी/सीआईजी/ क्लस्टर की सहमति	: :	सहमति अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।

6. उत्पादन प्रक्रियाएं

मशरूम उत्पादन का प्रशिक्षण उद्यान विभाग द्वारा केवीके रोहड़ू के माध्यम से दत्तनगर में जाईका परियोजना द्वारा आयोजित किया जाएगा।। प्रशिक्षण का पूरा खर्च जाईका परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

समूह ने शुरू में ढींगरी मशरूम उत्पादन के साथ शुरुआत करने का फैसला किया, क्योंकि प्रशिक्षण अप्रैल के दौरान पूरा हो जाएगा और अप्रैल/मई, जून-जुलाई के बाद के महीने इस मशरूम की

no

खेती के लिए अधिक उपयुक्त हैं। 400 कम्पोस्ट स्पॉन जोड़े गए बैग खरीदे जाएंगे और किराए के कमरों में लगाए जाएंगे।

तीन स्तरीय लकड़ी/बांस की रैक फिटिंग, साथ ही चार एग्जॉस्ट पंखे लगाए जाएंगे, जिनमें से एक ताजी हवा के लिए और दूसरा नीचे की तरफ अंदर की हवा को बाहर निकालने के लिए होगा। कमरे के तापमान को कम करने के लिए प्रत्येक कमरे में एक सीलिंग फैन और कमरे के तापमान को बढ़ाने के लिए दूसरा (हीट ब्लोअर), कमरे के आवश्यक तापमान को बनाए रखने के लिए प्रत्येक हॉल में सूखे और गीले थर्मामीटर लगाए जाएंगे। बैग लोड करने से पहले कमरे को दो से तीन बार फॉर्मेलिन (5 मिली/लीटर) से धोया और साफ किया जाएगा 1

एसएमएस बागवानी विभाग, रामपुर के तकनीकी इनपुट के बाद, समूह के साथ विचार-विमर्श के बाद बटन मशरूम की तीन फसलों और ढींगरी की एक फसल (प्रत्येक 70 से 75 दिन का चक्र) (बटन मशरूम के लिए अगस्त से अप्रैल और ढींगरी के लिए मई से जुलाई सर्वोत्तम महीने हैं) के साथ व्यवसाय योजना तैयार की गई है।

समूह के सदस्य प्रतिदिन एक घंटा काम करेंगे, आधा घंटा सुबह और आधा घंटा शाम को।

7. उत्पादन योजना का विवरण :

7.1	उत्पादन चक्र (75 दिन)	: :	शिमला जिले में बटन मशरूम अगस्त से अप्रैल तक उगाया जा सकता है। कंपोस्ट बैग में स्पॉन डालने के बाद मशरूम को पिन अप होने में 30 से 40 दिन लगते हैं। इसके बाद तीन फ्लश लिए जा सकते हैं। मशरूम की फसल के तीन फ्लश लेने के लिए कुल 75 दिन लगते हैं। एक फसल का उत्पादन चक्र 75 दिन का होगा। एक वर्ष में फसल के चार चक्र दोहराए जाएंगे, जिनका विवरण नीचे दिया गया है:- ढींगरी मशरूम की पहली फसल (मई से जुलाई के अंत तक = 75 दिन) बटन मशरूम की दूसरी फसल (अगस्त से अक्टूबर = 75 दिन) तीसरी फसल, (नवंबर से जनवरी) =75 दिन) बटन मशरूम की चौथी फसल (फरवरी से अप्रैल = 75 दिन)
7.2	जनशक्ति की आवश्यकता (नहीं)	: :	शुरुआत में पूरा समूह रैक लगाने/बनाने, कमरे की सफाई करने और सड़क से उत्पादन स्थल तक खाद की थैलियाँ ले जाने के लिए मिलकर काम करेगा। उसके बाद पहले 30 दिनों तक 2 व्यक्ति 1 घंटे (1/2 घंटा सुबह और 1/2 घंटा शाम) रोटेशन के आधार पर सफाई, नमी, तापमान नियंत्रण आदि के लिए काम करेंगे। अगले 31 से 75 दिनों तक 4 व्यक्ति 3 घंटे कटाई, मिट्टी की आवरण, सफाई, वजन और पैकिंग के लिए। विपणन घंटे शामिल नहीं हैं क्योंकि सदस्यों में से एक नियमित रूप से बाजार में सब्जियों के साथ मशरूम भी बेचेगा। खाद बनाने वाले चार व्यक्ति 2 दिन तक 2 घंटे काम करेंगे। श्रम कार्य कुल 704 घंटे का होगा, यदि हम इसे 8 (घंटे) से विभाजित करते हैं तो यह 88 दिन होगा और इसे 275 रुपये प्रति दिन की मजदूरी दर से गुणा करें तो श्रम की लागत 24200 रुपये आती है
7.3	कच्चे माल का स्रोत	: :	हिमाचल प्रदेश के बागवानी विभाग, सोलन, कुल्लू और पालमपुर।

7.4	संसाधनों का स्रोत	: :	हिमाचल प्रदेश के बागवानी विभाग, सोलन, कुल्लू और पालमपुर।
7.5	(i)मात्रा बटन मशरूम के लिए आवश्यक (75 दिन) (ii) ढींगरी के एक चक्र के लिए आवश्यक मात्रा यानि 75 दिन		250 कम्पोस्ट स्पॉन मिश्रित बैग, फॉर्मेलिन, 200 मि०ली०, कम्पोस्ट के लिए 250 पारदर्शी पॉलिथीन बैग, पैकिंग सामग्री (पॉलीथीन स्लीव) 3 कि०ग्रा० ढींगरी के लिए- 250 खाद स्पॉन जोड़ा बैग, 250 पारदर्शी पॉलीथीन बैग, प्रतिस्थापन के लिए खाद, पॉलीथीन स्लीव 5 कि०ग्रा० (ताजा के लिए 3 कि०ग्रा० और फटे बैग के प्रतिस्थापन के लिए 2 कि०ग्रा०)
7.6	दिनों में अपेक्षित उत्पादन		**ढींगरी** :-ढींगरी का औसत उत्पादन एक बैग कम्पोस्ट से लगभग 10 किग्रा. **250 बैग से 2500 किलोग्राम ढींगरी प्राप्त होगी** । **बटन मशरूम:** - बैग से मशरूम का औसत उत्पादन 2.5 किलोग्राम है 1 बैग =2.5 कि०ग्रा० 250 बैग x2.5 कि०ग्रा०.= **625 कि०ग्रा०**

8. विपणन /बिक्री का विवरण .

8.1	संभावित बाज़ार स्थान	: :	ज्योरी, झाखरी, रामपुर।
8.2	इकाई से दूरी	: :	ज्योरी 32 कि०मी०, झाखरी 44 कि०मी०, रामपुर लगभग 50 कि०मी० ।
8.3	उत्पाद बाजार की मांग		मशरूम की मांग पूरे वर्ष बनी रहती है।
8.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	: :	बाजारों में साल भर मांग बनी रहती है।
8.5	बाज़ार पर मौसमी प्रभाव	: :	मशरूम हर मौसम में मिलने वाला व्यंजन है और साल भर इसकी मांग बहुत अधिक रहती है। हालांकि, गर्मियों में पर्यटकों और विवाह समारोहों के कारण इसकी मांग अधिक होती है।
8.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	: :	संभावित बाजार खरीदार अस्पताल, होटल, छात्रावास, दुकानें, स्थानीय निवासी/विवाह और अन्य समारोह आदि हैं।
8.7	क्षेत्र के संभावित उपभोक्ता	: :	सभी स्वास्थ्य के प्रति जागरूक नागरिक / परिवार और होटल और ढाबे वाले।
8.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	: :	मांग के आधार पर मशरूम की दैनिक आपूर्ति बाजार में की जाएगी तथा समूह इन्हें ज्योरी और रामपुर बाजार के खुले बाजार में भी बेचेगा।
8.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	: :	शुरुआत में समूह विभिन्न टाउनशिपों में सभी सब्जी खुदरा विक्रेताओं से संपर्क करेगा, इसके बाद उत्पादन बढ़ने पर रामपुर और ज्योरी बाजार के खुदरा विक्रेताओं से भी संपर्क कर उन्हें अपना उत्पाद बेचने के लिए कहा जाएगा।
8.10	उत्पाद ब्रांडिंग	: :	"किन्नू के ताज़ा मशरूम"।
8.11 .	उत्पाद नारा	: :	"मशरूम खाओ सेहत बनाओ"

9. सदस्यों के बीच प्रबंधन का विवरण .

सभी सदस्य प्रशिक्षण लेंगे और दैनिक कार्य संचालन, विपणन, विभाग और वीएफडीएस के साथ संपर्क के लिए स्वयं को विभाजित करेंगे।

10.स्वोट अनालिसिस

क्र. सं.	विवरण /आइटम	:	विवरण
1.	ताकत	: :	समूह के सभी सदस्य एक जैसी सोच रखते हैं, स्थानीय और सामाजिक वातावरण के अनुकूल हैं। उत्पादन लागत कम है, उत्पादन उच्च गुणवत्ता का है और बढ़ने का चक्र छोटा है, उत्पादन पूरे साल होगा। खुले बाजार में रेडीमेड कम्पोस्ट बैग उपलब्ध हैं। स्वयं सहायता समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए जेआईसीए वानिकी परियोजना द्वारा मानदंडों और निर्देशों के अनुसार प्रशिक्षण और प्रदर्शन आयोजित किए जाएंगे।
2.	कमजोरी	: :	नया स्वयं सहायता समूह, मशरूम उत्पादन/खेती में अनुभव की कमी।
3.	अवसर	: :	मांग अधिक है और प्रतिफल भी अधिक है।
4.	जोखिम	: :	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता की कमी, तथा उच्च जोखिम वहन क्षमता का अभाव पूर्वानुमानित है तथा समूह के साथ इन पर बातचीत की जा सकती है।

11. संभावित जोखिमों का विवरण और उन्हें कम करने के उपाय ।

क्रमांक	संभावित जोखिम	:	इन्हें कम करने के उपाय
1.	1. कभी-कभी हानिकारक संक्रमण फसल को नष्ट कर सकता है	: :	सबसे पहले, कमरे में प्रवेश करने से पहले साबुन से हाथ और पैर धोकर तथा उन्हें फॉर्मेलिन के घोल में डुबोकर साफ-सफाई बनाए रखनी चाहिए। केवल 2-3 व्यक्ति ही पूर्ण किट (टोपी, दस्ताने, एप्रन आदि) के साथ कमरे में प्रवेश करेंगे। फफूंद के हमले से बचने के लिए नियमित रूप से छिड़काव किया जाना चाहिए
	2. तापमान रखरखाव और नियम	: :	थर्मामीटर की मदद से, दिए गए उपकरणों के साथ आवश्यक तापमान बनाए रखा जाएगा 1
	3.बाजार परिपूर्णता		मशरूम के मूल्य संवर्धन के लिए बाद के वर्षों में अचार, सूप और अन्य उत्पाद बनाए जाएंगे
2.	समूह में आंतरिक संघर्ष, पारदर्शिता	: :	संघर्षों से प्रारंभिक अवस्था में ही निपटा जाना चाहिए, ताकि उनके कारण को समाप्त किया जा सके। समूह के सभी सदस्यों को समान अवसर प्रदान किए जाने चाहिए तथा लाभ को समान रूप से साझा किया जाना चाहिए। प्रत्येक सदस्य को सम्मान और आदर दिया जाना चाहिए।
3.	बाज़ार		खरीदार तलाशते रहना चाहिए ।
4.	उत्पादन	: :	बाजार की मांग और सदस्यों के अनुभव के अनुसार उत्पादन धीरे-धीरे बढ़ाया जाएगा। ।

12.परियोजना के अर्थशास्त्र का विवरण

पहला चक्र

क्रमांक	परियोजना लागत	राशि रु. में
क	**पूंजीगत लागत**	
क.1	तीन टायर लकड़ी/बांस रैक फिटिंग का निर्माण	15000
क	सीलिंग फैन (1)	2500
ख	एग्जॉस्ट पंखे (2)	3000
ग	रूम हीटर/ब्लोअर/ (हीट पिलर)	1500
घ	सूखा और गीला थर्मामीटर (1 सेट)	1000

no

ङ	वजन तौलने वाली इलेक्ट्रॉनिक मशीन (1)	900
च	गर्म प्लास्टिक छत रॉड (1 नं.)	800
छ	मध्यम स्प्रे पंप (1 नं.)	1800
ज	तेज चाकुओं का सेट नं. (1 सेट)	75
झ	कैंची (2 नं)	400
ञ	ट्रे/टोकरी (6 संख्या)	600
ट	टोकरा (6 नं)	2400
ठ	पानी की टंकी 1000 लीटर (1 नं.) गाड़ी सहित	8000
ड	पानी और बिजली फिटिंग सामग्री और शुल्क	4000
एन	विविध व्यय	3000
	कुल पूंजी लागत	**44975**
ख.	**प्रथम चक्र की आवर्ती लागत (75 दिन)**	
ख .1	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उत्पादन इकाई) की लागत @ 1800 रुपये/माह। (3 महीने)	3000
ख .2	फॉर्मेलिन	600
ख.3	मजदूर मजदूरी 88 दिन= (रु.275/दिन)= रु.24200	24200
ख.4	ढींगरी मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 संख्या रु. 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	22500
ख.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	3000
ख.6	परिवहन	1000
ख.7	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क 1000 रुपये प्रति माह	3000
ख.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिलबुक, रसीद आदि)	1500
	एक चक्र की आवर्ती लागत = ख1+ ख2+ ख3 + ख4 + ख5 + ख6+ ख7+ ख8	**58800/-**
	कुल **परियोजना लागत (क + ख) =44975+58800 =**	**1,03,775**

लागत लाभ विश्लेषण प्रथम चक्र:-

क्रमांक	**विशिष्ट**	**इकाई**	**मात्रा/संख्या**	**दर**	**राशि (रु.)**
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत 1000 रुपये प्रति माह। (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600

no

3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (Rs275/दिन) = Rs 24200	दिन	88	275	24200
4.	ढींगरी कम्पोस्ट बैग 250 (90 रुपये प्रति किलोग्राम)	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	5	600	3000
6.	परिवहन शुल्क	-	-	-	1000
7.	बिजली और पानी उपयोग शुल्क (1000 रुपये प्रति माह)	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग-भग	-	1500
	कुल				**58,800**

9.	कुल उत्पादन किलोग्राम में.	कम्पोस्ट ढींगरी	2500 किलोग्राम 750 किलोग्राम
10.	उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में	ढींगरी 2500 किलोग्राम (100 रुपये प्रति किलोग्राम)	250000/-
11	कुल लाभ	250000-(1125+58800)	190075
12	सकल लाभ	कुल लाभ+ श्रम मजदूरी+ कमरे का किराया	217275
13	लाभ में से शुद्ध राशि दूसरी और तीसरी किस्त की वापसी के लिए आरक्षित की जाएगी		16787
14	प्रथम चक्र में सदस्यों के बीच लाभ वितरण हेतु उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री - (मूल राशि + ब्याज + आवर्ती लागत + दूसरी और तीसरी किस्त की शेष राशि) 250000-(19509+1491+58800+16787)		153423

टिप्पणी :- उपरोक्त दी गई राशि में से रु. 16787/- को ऋण की शेष राशि के द्वितीय एवं तृतीय किस्त के भुगतान के लिए आरक्षित रखा जाएगा

लागत लाभ विश्लेषण दूसरा चक्र

क्रमांक	**विशिष्ट**	**इकाई**	**मात्रा/संख्या**	**दर**	**राशि (रु.)**
क	लागत पर 10% मूल्यह्रास	महीना	3	10%	1125
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे (1 हॉल) (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत 800 रुपये/माह (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	88 दिन की मजदूरी = (रु.275/दिन) =रु.24200	दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 250 (संख्या), रु. 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	संख्या	250	90	22500

no

5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क	–	–	–	1000
7.	बिजली और पानी के उपयोग शुल्क (1000 रुपये प्रति माह)	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग–भग	–	1500
	कुल				**57300**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**बटन** **मशरूम** **खाद**			**625 किलोग्राम** **750 किलोग्राम**
10.	**कुल बिक्री (किग्रा में)**	**625 किलोग्राम** **100 रुपये प्रति किलोग्राम** **कम्पोस्ट 750 किलोग्राम** **10 रुपये प्रति किलोग्राम**			**62500** **7500**
				कुल	**70000**
11.	**कुल लाभ**	**7000–(1125+57300)**			**11575**
12.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ+श्रमिक मजदूरी+कमरे का किराया 11575+(24200+3000)=**			**38775**
13	**दूसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री – (मूल राशि + आवर्ती लागत पर ब्याज) 70000–(19975+1025+57300)**				**(–)8300**

टिप्पणी – प्रथम चक्र में आरक्षित रखी गई 16787 रुपये की राशि में से 8300 रुपये की उपरोक्त राशि ऋण की दूसरी किस्त के लिए चुकाई जाएगी तथा शेष 8487 रुपये की राशि तीसरी किस्त के लिए आरक्षित रखी जाएगी।

लागत लाभ विश्लेषण तीसरा चक्र

क्रमांक	विशिष्ट	**इकाई**	**मात्रा/संख्या**	**दर**	**(रु. में)**
क	**लागत पर 10% मूल्यह्रास**	महीना	3	10%	**1125**
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				
1.	किराये के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत @ 1800 रुपये/माह। (3 महीने)	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (@ रु 275/दिन) = रु 24200	दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 300 नं. @ 90 रुपये प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री, आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क	–	–	–	1000
7.	बिजली और पानी उपयोग शुल्क @ 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग–भग	–	1500
	कुल				**57300**
9.	**कुल उत्पादन किलोग्राम में.**	**बटन मशरूम कम्पोस्ट**			**625 किग्रा 750 किग्रा**
10.	**उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में**	**625 किलोग्राम @ 100 रुपये खाद 750 किलोग्राम @ 10 रुपये**			**62500 7500**
				कुल	**70000**
11।	**कुल लाभ**	**70000–(1125+57300)**			**11575**
12.	**सकल लाभ**	**कुल लाभ+श्रमिक मजदूरी+कमरे का किराया 11575+(24200+3000)=**			**38775**
13	**दूसरे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री – (मूल राशि + आवर्ती लागत पर ब्याज) 70000–(20666+521+57300)**				**(–)8487**

टिप्पणी: दूसरे चक्र में आरक्षित रखी गई राशि 8487/- का उपयोग ऋण की तीसरी किस्त के भुगतान के लिए किया जाएगा

लागत लाभ विश्लेषण चौथा चक्र

क्रमांक	विशिष्ट	इकाई	मात्रा/संख्या	दर	इसमें राशि (रु.)
क	**लागत पर 10%** मूल्यह्रास	महीना	3	10%	1125
ख	3 महीने के लिए आवर्ती लागत				

no

1.	किराए के कमरे 1 हॉल (मशरूम उगाने वाली इकाई) की लागत @ रु 1800/माह (3 महीने) =	महीना	3	1000	3000
2.	बोतल में 250 फॉर्मेलिन होता है ।	संख्या	2 बोतल	300	600
3.	मजदूर मजदूरी 88 दिन = (@ रु 275/दिन) = रु 24200	दिन	88	275	24200
4.	बटन मशरूम कम्पोस्ट बैग 300 नं. @ रु 90 प्रति बैग और अन्य कच्चा माल ढुलाई सहित	संख्या	250	90	22500
5.	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री आदि)	किलोग्राम	2.5	600	1500
6.	परिवहन शुल्क	–	–	–	1000
7.	बिजली और पानी का उपयोग शुल्क 1000 रुपये प्रति माह	महीना	3	1000	3000
8.	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिल बुक, रसीद आदि)		लग–भग	–	1500
	कुल				57300
9.	कुल उत्पादन किलोग्राम में.	बटन मशरूम खाद			625 कि०ग्रा 750 कि०ग्रा
10.	उत्पादन की बिक्री किलोग्राम में	625 किग्रा @ 100 रुपए कम्पोस्ट 750 कि०ग्रा० @ 10 रुपए			62500 7500
				कुल	70000
11.	कुल लाभ	70000–(1125+57300)			11575
12.	सकल लाभ	कुल लाभ + श्रमिक मजदूरी कमरे का किराया 1157 (24200+3000) =			38775
13.	चौथे चक्र में सदस्यों के बीच लाभ वितरण के लिए उपलब्ध राशि = उत्पाद की बिक्री – (मूल राशि + ब्याज + अगले चक्र के लिए आवर्ती लागत) = 70000–(0+0+57300)				**12700**

ग.	आय	
ग.1	प्रत्यक्ष आय	
	(l) पहला चक्र ढींगरी (ll) दूसरा चक्र बटन मशरूम (iii) तीसरा चक्र बटन मशरूम (iv) चौथा चक्र बटन मशरूम	153423 (-) 8300 (-) 8487 12700

	कुल प्रत्यक्ष आय	**149336**
ग.2	अप्रत्यक्ष आय	
	श्रम मजदूरी (l) पहला चक्र (ll) दूसरा चक्र (lll) तीसरा चक्र (lv) चौथा चक्र **कुल**	 24200 24200 24200 24200 **96800**
	कमरे का किराया (l) पहला चक्र (ll) दूसरा चक्र (lll) तीसरा चक्र (lv) चौथा चक्र **कुल**	 3000 3000 3000 3000 **12000**
	कुल अप्रत्यक्ष आय	**108800**
	सकल आय	**258136**

13. अर्थशास्त्र का सारांश.

(क) **चार चक्रो में उत्पादन की लागत**

क्रमांक	विशिष्ट	राशि रु. में
1.	कुल आवर्ती लागत **(i) पहला चक्र** ढींगरी **(ii) दूसरा चक्र** बटन मशरूम **(iii) तीसरा चक्र** बटन मशरूम **(iv) चौथा चक्र** बटन मशरूम **कुल**	 58800 57300 57300 57300 **230700**
2	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास मूल्य (वार्षिक)	**4498**
3.	ऋण पर 10% ब्याज	3037
	कुल	**238235**

(ख) उत्पादन लागत का सार

क्रमांक	**विवरण**	**राशि (रु.)**
1	आवर्ती लागत	230700
2	पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास मूल्य	4498
3	ऋण पर 10% ब्याज	3037
	कुल	**238235**

(ग) बिक्री मूल्य का आकलन

क्रमांक	**विवरण**	**इकाई**	**राशि (रु.)**
1	आवर्ती लागत (230700/4375)	किलोग्राम	53
2	लाभ 85% निश्चित	किलोग्राम	47
	कुल		100
3	बाज़ार मूल्य	किलोग्राम	100

no

14. लाभ लागत विश्लेषण (वार्षिक)

क्रमांक	विवरण	राशि (रु.)
1	**पूंजीगत लागत पर 10% मूल्यह्रास** (क)	4498
2	**आवर्ती लागत** (ख)	
2.1	कमरे का किराया	12000
2.2	श्रम	96800
2.3	कम्पोस्ट बैग की कीमत	90000
2.4	फॉर्मेलिन	2400
2.5	पैकेजिंग (पैकेजिंग सामग्री, आदि)	7500
2.6	परिवहन शुल्क	4000
2.7	बिजली और पानी का उपयोग	12000
2.8	विविध व्यय (स्टेशनरी, बिलबुक, रसीद, आदि)	6000
	कुल	**230700**
3	ढींगरी और बटन मशरूम का कुल उत्पादन	4375 किलोग्राम
4	ढींगरी और बटन मशरूम का विक्रय मूल्य	437500
5	खाद का विक्रय मूल्य	22500
	कुल	**460000**
6	कुल लाभ=बिक्री मूल्य- (पूंजीगत लागत+आवर्ती लागत)= 460000-(44975+230700)	**184325**
7	सकल लाभ = कुल लाभ + श्रमिक मजदूरी + कमरे का किराया = 184325 + 96800 + 12000	**293125**
8	चार चक्रों के बाद समूह के सदस्यों के बीच लाभ का वितरण = कुल लाभ-(मूल राशि और पांचवें चक्र के लिए आवर्ती लागत पर ब्याज)	**149725**

टिप्पणी :- इस राशि में श्रमिक मजदूरी और कमरे का किराया शामिल नहीं है ।

उपरोक्त से यह स्पष्ट है कि प्रत्येक सदस्य को प्रतिदिन एक घंटा कार्य करने पर 22548 रुपये प्रतिवर्ष की अतिरिक्त आय प्राप्त होगी, क्योंकि श्रम कार्य समूह सदस्य द्वारा किया जाएगा।

15. समूह में निधि प्रवाह :

क्रमांक	संसाधनों का विवरण	कुल राशि (रु.)
1	पूंजीगत लागत पर परियोजना का हिस्सा 44975 (50%)	22488
2	आज तक का मासिक अंशदान	3250
3	बैंक से ऋण	59150
	कुल	**84888**

- स्वयं सहायता समूह को बैंक से ऋण लेने के लिए एक लाख रुपये की धनराशि परिक्रामी निधि के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी।
- इसके अलावा परियोजना द्वारा 65000 रुपये की प्रशिक्षण लागत वहन की जाएगी, जिसमें भोजन, आवास, एक्सपोजर विजिट और संकाय को मानदेय शामिल है।
- पूंजीगत लागत का 50% हिस्सा परियोजना द्वारा वहन किया जाएगा।

16. लाभ - अलाभ स्थिति की गणना

लाभ - अलाभ स्थिति= पूंजीगत लागत/ बिक्री/किग्रा. - आवर्ती लागत/किग्रा.

=44975/ 100-53 = 44975/47 = 956 कि०ग्रा०

956 किलोग्राम ढींगरी और बटन मशरूम की बिक्री के बाद तीन महीने के बाद लाभ - अलाभ स्थिति हासिल की जा सकती है ।

17.ऋण चुकौती अनुसूची (10% ब्याज पर)

क्रमांक	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	ऋण शेष		
		मूल राशि	ब्याज	कुल		मूल राशि	ब्याज	कुल
1	1	0	0	0	0	59150	493	59643
2	2	0	0	0	0	59643	497	60140
3	3	0	0		0	60140	501	60641
4	4	18509	1491	20000	20000	40641	339	40980
5	5	0	0	0	0	40980	342	41322
6	6	0	0	0	0	41322	344	41666
7	7	19975	1025	21000	21000	20666	172	20838
8	8	0	0	0	0	20838	174	21012
9	9	0	0	0	0	21012	175	21187

no

10	10	20666	521	21183	21183	0	0	0
11	**कुल**	**59150**	**3037**	**62183**	**62183**		**3037**	

18. टिप्पणी:

समूह का आगामी लक्ष्य अचार, रेडीमेड सूप, सूखे मशरूम आदि के रूप में मूल्य संवर्धन द्वारा अपनी आय में वृद्धि करना है।

आपकी त्वचा, मस्तिष्क और हड्डियों के लिए मशरूम के 8 आश्चर्यजनक स्वास्थ्य लाभ

"इनमें सेलेनियम, पोटेशियम, तांबा, लोहा और फास्फोरस जैसे कई खनिज होते हैं जो अक्सर पौधों से प्राप्त खाद्य पदार्थों में नहीं पाए जाते हैं।"

1. मशरूम आपको जवान बनाये रखने में मदद कर सकता है।
2. मशरूम आपकी उम्र बढ़ने के साथ आपके मस्तिष्क की रक्षा कर सकता है।
3. मशरूम आपकी याददाश्त बढ़ा सकता है।
4. मशरूम आपके हृदय स्वास्थ्य में मदद कर सकता है।
5. हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता कर सकता है ।
6. ऊर्जा देने में मदद करेगा
7. मशरूम कई बीमारियों से लड़ने में मदद करता है, खासकर कैंसर से।

Business Plan Approval by VFDS & DMU

Jai Maa Durga ....Self Help Group will under Take the Mashroom Cultivation

As Livelihood generation Activity under the Project for improvement of Himachal Pradesh forest ecosystems & Management & livelihood (JICA Assisted). In this regard Business Plan of Amount (Rs.) Five lac ....has been submitted by this group on dated 14 october and this business plan has been approved by Lohana Sadana VFDS.

Business Plan with SHG resolution is being submitted to DMU through FTU for further action, please.

Thank you.

22/7/16

President
Village forest Dev. Society
Lohana Sadana (Loa)
Teh. Rampur. Distt. Shimla (H.P.)

Signature of VFDS Pradhan

Signature of VFDS Secretary

Approved

DMU Officer-cum-DCF,
Rampur Forest Division, H.P.

Resolution-cum-Group Consensus Form

It is decided in the General House meeting of the Self Help Group Jai Maa Durga held on 14 October at Labana that our Self Help Group will undertake the Mashroom Cultivation as Livelihood Income Generation Activity under the Project for Improvement of Himachal Pradesh.

Forest Ecosystem Management & Livelihoods. (JICA Assisted).

प्रधान Jagat Kumar
जय माँ दुर्गा लबाना सदाना
तह॰ रामपुर, जिला शिमला (हि॰प्र॰)
Signature of Group Pradhan

सचिव Santosh
जय माँ दुर्गा लबाना सदाना
तह॰ रामपुर, जिला शिमला (हि॰प्र॰)
Signature of Group Secretary